

Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 20 दसिंबर, 2021

अंतरराष्ट्रीय प्रवासी दविस

18 दसिंबर को विश्व भर में 'अंतरराष्ट्रीय प्रवासी दविस' का आयोजन कया जाता है। दुनिया भर में प्रवासियों की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 2000 में 18 दसिंबर को 'अंतरराष्ट्रीय प्रवासी दविस' के रूप में नामित कया था। साथ ही संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा इसी दविस पर वर्ष 1990 में सभी प्रवासी कामगारों और उनके परिवारों के सदस्यों के अधिकारों के संरक्षण पर अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन को भी अपनाया गया था। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, वर्ष 2020 में लगभग 281 मिलियन लोगों को (वैश्विक जनसंख्या का 3.6 प्रतिशत) अंतरराष्ट्रीय प्रवासियों के रूप में वर्गीकृत कया गया था। यद्यपि बहुत से लोग अपनी इच्छा से पलायन करते हैं, कति अधिकांश लोगों को आर्थिक चुनौतियों, प्राकृतिक आपदाओं, अत्यधिक गरीबी और संघर्ष जैसे कारणों के चलते मजबूर होकर पलायन करना पड़ता है। 'अंतरराष्ट्रीय प्रवासी दविस' 2021 की थीम 'मानव गतिशीलता की क्षमता का दोहन' है। यह वषिय प्रवासियों द्वारा अपने ज्ञान, नेटवर्क और कौशल के माध्यम से समुदायों के निर्माण हेतु कयि गए महत्त्वपूर्ण योगदान को उजागर करता है। ज्ञात हो कि भारत के विकास में प्रवासी भारतीयों के योगदान को चिह्नित करने के लयि प्रतिवर्ष 9 जनवरी को 'प्रवासी भारतीय दविस' का आयोजन कया जाता है।

हैती का 'जौमौ सूप'

संयुक्त राष्ट्र की सांस्कृतिक एजेंसी यूनेस्को ने हैती के पारंपरिक सूप को 'अमूर्त सांस्कृतिक वरिसत सूची' में शामिल कर लया है। यूनेस्को के मुताबकि, हैती का यह 'जौमौ सूप' सरिफ एक डशि नहीं है, बल्कि यह देश की आजादी का प्रतीक है, जो हैती के स्वतंत्रता नायकों और नायिकाओं की कहानी, मानवाधिकारों के लयि उनके संघर्ष एवं उनकी कड़ी मेहनत की कहानी बयाँ करता है। 'स्कवेश-आधारति' यह सूप उन चीजों का प्रतीक बन गया, जनिहें लंबे समय तक फ्रांसीसी वर्चस्व के तहत गुलामों के लयि प्रतिबिधति कया गया था, जब तक कि 'हैती' ने 1 जनवरी, 1804 को स्वतंत्रता प्राप्त नहीं की। इस प्रकार हैती वदिरोही अश्वेत दासों द्वारा निर्मित प्रथम राष्ट्र के रूप में सामने आया था। 'अमूर्त सांस्कृतिक वरिसत सूची' उन अमूर्त वरिसतों से मलिकर बनी है जो सांस्कृतिक वरिसत की विविधता को प्रदर्शति करने और इसके महत्त्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने में मदद करते हैं। इस सूची का निर्माण वर्ष 2008 में अमूर्त सांस्कृतिक वरिसत की सुरक्षा पर कन्वेंशन के समय कया गया था।

कदिम्बी शरीकांत

भारतीय शटलर 'कदिम्बी शरीकांत' ने हाल ही में 'बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप' में रजत पदक जीतकर इतिहास रच दया है। ऐसा करने वाले वह पहले पुरुष भारतीय शटलर बन गए हैं। फाइनल मैच में उनका मुकाबला सिगापुर के 'लोह कनि येव' से हुआ, जसिमें उन्हें हार का सामना करना पड़ा।

वीरा रानी अब्बक्का

21 दसिंबर, 2021 को 'वीरा रानी अब्बक्का उत्सव' का आयोजन कया जाएगा। रानी अब्बक्का, उल्लाल की पहली तुलुव रानी थीं। उन्होंने 16वीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में पुर्तगालियों से युद्ध लड़ा था। रानी अब्बक्का, चौटा वंश से संबद्ध थीं, जनिहोंने तटीय कर्नाटक (तुलु नाडु) के कुछ हिस्सों पर शासन कया था। इस राजवंश की राजधानी पुट्टीगे थी। बंदरगाह शहर- 'उल्लाल' उनकी सहायक राजधानी थी। 'उल्लाल' को रणनीतिक रूप से महत्त्वपूर्ण माना जाता था, जसिके कारण पुर्तगालियों ने इस पर कब्जा करने के कई प्रयास कयि लेकनि रानी ने चार दशकों से अधिक समय तक उनके हमलों को रोका। उनकी बहादुरी के कारण उन्हें 'अभय रानी' के नाम से भी जाना जाता है।